

सम्पादकीय

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चौंकाने वाले नतीजे

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर दोनों राज्यों में क्या भाजपा सत्ता हासिल कर पाएगी या कांग्रेस उसे मात दे देगी, ये सबल लंबे वक्त से सत्ता के गलियारों में तैर रहा था। दोनों ही राज्यों में भाजपा की प्रतिष्ठा दाव पर लगी थी, क्योंकि हरियाणा में पिछले 10 वर्षों से भाजपा का शासन रहा और वहाँ जम्मू-कश्मीर में पूरे दस साल बाद चुनाव करवाए गए। इस बीच 5 अगस्त 2019 को जब भाजपा ने अचानक यह ऐलान किया कि यह अनुच्छेद 35 वाला धारा 35 एवं वापस लिया जा रहा है और इसके साथ ही उसे दो दिसंसों में बाटकर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेशों में तब्दील किया जा रहा है, तब पूरा देश स्वतंत्र हो गया था। इसे जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ आजादी के बाक किए गए वादों की तोड़ने की तरह देखा गया। लेकिन भाजपा ने राष्ट्रवादी की आड़ में यह बादशाहिलाली की ओर दाव किया कि उसके द्वारा फैसले में जनता की भी मर्जी है। हालांकि अब जो नतीजे सामने आए हैं, तब पता लगता है कि न जम्मू, न कश्मीर की जनता को भाजपा का फैसला मंजूर था।

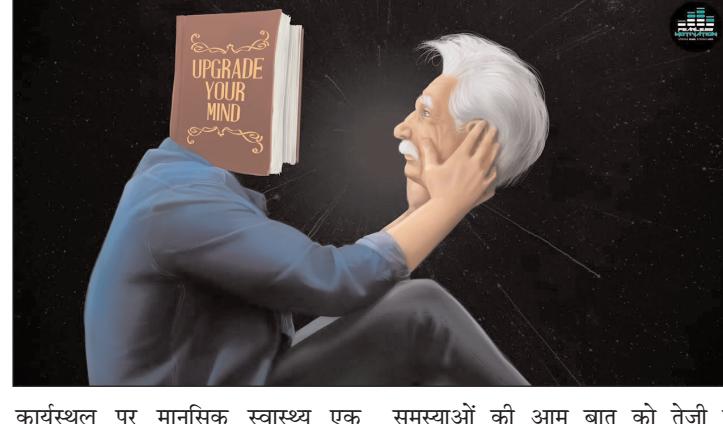
आठ अक्टूबर, मगलवार को आए नतीजों के विशेषण अब लंबे वक्त तक चलेंगे और जानकार तरह-तरह से इनके अर्थ तलाशने की कोशिश करेंगे। लेकिन नतीजों को देखकर यह कहा जा सकता है कि इस बार कांग्रेस भाजपा पर भारी पड़ गई। हालांकि दो राज्यों में एक में जीत और एक में हार का विशेषण तो यहीं हो गया है कि मुकाबला बराबर पर छूटा है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सम्बन्ध करने के लिए मनवा जाता है। इस दिवस का महत्व मानसिक स्वास्थ्य को वैश्विक प्राथमिकता देने के लिए एक प्रयास करेंगे जो अनुभव और अनुसार, 6 व्यक्तियों में से 1 व्यक्ति कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करता है और हर साल 12 बिलियन कार्य दिवस अवसाद, तनाव और चिंता के कारण बर्बाद हो जाते हैं। देश में कार्यस्थलों में बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सहायता की स्पष्ट आवश्यकता है, जिससे न केवल व्यक्ति को बल्कि संगठन को भी लाभ होता जा सकता है। वास्तव में, जों कर्मचारी खुश होते हैं वे 13 प्रतिशत अधिक उत्पादक होते हैं, इसलिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करना व्यावसायिक रूप से समझदारी है। मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तिगत, परिवारिक, सामाजिक एवं सार्वजनिक कार्यस्थल की अधिकता है। जैसे शरीर की सफाई दिन में कई बार आवश्यक है, वैसे ही मन की सफाई कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण है। अध्ययनों से पता चला है कि उनका कार्यस्थल पर ज्यादा से कर्मचारी दबाव और तनाव महसूस कर रहे हैं और उन्में बीजेपी को जीत मिली, और जिनमें 70 प्रतिशत चार्जिंग थीं वानी जो मरीजों सामान्य तरीके से चल रही थीं, उनमें कांग्रेस जीती। कांग्रेस ने हरियाणा में हुई इस संघावित गडबड़ी की शिकायत बाकायदा चुनाव आयोग की भी की है। अब देखना होगा कि चुनाव आयोग अपने हूँस पर कोई संज्ञान लेकर कार्रवाई करता है या सब कुछ ठीक है, का रटा रटाया जावाब देता है।

वैसे लिल्यस्य बात यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुछ दिन पहले कहा था कि सब इंतजाम हो गया है और भाजपा जीत रही है। इसी से गड़बड़ी के इशारे मिल रहे थे कि नायब सिंह सैनी को कौन से इंतजाम करने का जिम्मा दिया गया था, क्योंकि चुनाव करवाना तो चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। बहरहाल, अब जीती नतीजे हैं, उन्हें स्वीकार करना ही होगा। भाजपा को सत्ता प्रियर से हासिल कर लो, तो न कहीं इसका श्रेष्ठ उसकी चुनावी और सांगठनिक क्षमता को भी दिया जाना चाहिए।

ललित गर्ग-
मन को स्वस्थता शरीर की स्वस्थता से भी ज्यादा जरूरी है, क्योंकि जीवन की पूर्णता, सार्थकता एवं सफलता मानसिक स्वास्थ्य पर ही स्वस्थ व्यक्ति ही। मन से स्वस्थ व्यक्ति ही दुनिया का सबसे धनी व्यक्ति हो सकता है। मन स्वस्थ रहे एवं आगे मानसिक स्वास्थ्य बढ़ावा जाये, इसी उद्देश्य से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को दुनिया भर में मनवा जाता है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सम्बन्ध करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए मनवा जाता है। इस दिवस का महत्व मानसिक स्वास्थ्य को वैश्विक प्राथमिकता देने के लिए एक प्रयास करने के अपने मिशन में विविधता है। यह दिन मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुली जाती रही को नोटिस के ग्रेफ्रेंस के गठबंधन को जीत रही है। लेकिन भाजपा ने राष्ट्रवादी की आड़ में यह बादशाहिलाली की ओर दाव किया कि उसके द्वारा फैसले में जनता की भी मर्जी है। हालांकि अब जो नतीजे सामने आए हैं, तब पता लगता है कि न जम्मू, न कश्मीर की जनता को फैसला मंजूर था।

आठ अक्टूबर, मगलवार को आए नतीजों के विशेषण अब लंबे वक्त तक चलेंगे और जानकार तरह-तरह से इनके अर्थ तलाशने की कोशिश करेंगे। लेकिन नतीजों को देखकर यह कहा जा सकता है कि इस बार कांग्रेस भाजपा पर भारी पड़ गई। हालांकि दो राज्यों में एक में जीत और एक में हार का विशेषण तो यहीं हो गया है कि मुकाबला बराबर पर छूटा है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सम्बन्ध करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए मनवा जाता है। इस दिवस का महत्व मानसिक स्वास्थ्य को वैश्विक प्राथमिकता देने के लिए एक प्रयास करने के अपने मिशन में विविधता है। यह दिन मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुली जाती रही को नोटिस के ग्रेफ्रेंस के गठबंधन को जीत रही है। लेकिन भाजपा ने राष्ट्रवादी की आड़ में यह बादशाहिलाली की ओर दाव किया कि उसके द्वारा फैसले में जनता की भी मर्जी है। हालांकि अब जो नतीजे सामने आए हैं, तब पता लगता है कि न जम्मू, न कश्मीर की जनता को फैसला मंजूर था।

बेहतर दुनिया बनाने के लिये मन को स्वस्थ करना जरूरी



सीमित होती है। गरीबी और आर्थिक असमानता मानसिक स्वास्थ्य सबधौ समस्याओं की बढ़िये में बोधान देती है। वित्तीय अस्तित्वरता के बदलते तनाव और शैक्षिक अवसरों की सीमितता भी मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकती है।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य के समान रूप से महत्वपूर्ण घटक हैं। उदाहरण के लिए, अवसर कई प्रकार की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं की विशेष रूप से मध्यमें हैं, हृदय रोग और स्ट्रेस के जौखिम को बढ़ावा देता है। इसी तरह, पुरानी स्थितियों की जोखिम को बढ़ावा देती है।

भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैटल हेल्पिंग एंड न्यू-यॉर्केंसे के अँकड़ों के अनुसार, ज्ञान की कमी, मानसिक बीमारी के कलंक और देखभाल की उत्तमता वाली जाती है। इसे प्रतिशत अधिकता देना महत्वपूर्ण है। अध्ययनों से पता चला है कि दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, कैंसर, या मधुमेह।

मस्तिष्क में जीविक कारक या रासायनिक असंतुलन, शराब या नशीली दवाओं का उत्पयोग, अकेलेपन या अलगाव की भवना होना आदि विशेष रूप से मध्यम स्वास्थ्य के संबंधित अनुभव हैं। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक प्रयास करना चाहिए।

भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैटल हेल्पिंग एंड न्यू-यॉर्केंसे के अँकड़ों के अनुसार, ज्ञान की कमी, मानसिक बीमारी के कलंक और देखभाल की उत्तमता वाली जाती है। इसे प्रतिशत अधिकता देना महत्वपूर्ण है। अध्ययनों से पता चला है कि दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, कैंसर, या मधुमेह।

मस्तिष्क में जीविक कारक या रासायनिक असंतुलन, शराब या नशीली दवाओं का उत्पयोग, अकेलेपन या अलगाव की भवना होना आदि विशेष रूप से मध्यम स्वास्थ्य के संबंधित अनुभव हैं। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक प्रयास करना चाहिए।

भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैटल हेल्पिंग एंड न्यू-यॉर्केंसे के अँकड़ों के अनुसार, ज्ञान की कमी, मानसिक बीमारी के कलंक और देखभाल की उत्तमता वाली जाती है। इसे प्रतिशत अधिकता देना महत्वपूर्ण है। अध्ययनों से पता चला है कि दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, कैंसर, या मधुमेह।

मस्तिष्क में जीविक कारक या रासायनिक असंतुलन, शराब या नशीली दवाओं का उत्पयोग, अकेलेपन या अलगाव की भवना होना आदि विशेष रूप से मध्यम स्वास्थ्य के संबंधित अनुभव हैं। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक प्रयास करना चाहिए।

भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैटल हेल्पिंग एंड न्यू-यॉर्केंसे के अँकड़ों के अनुसार, ज्ञान की कमी, मानसिक बीमारी के कलंक और देखभाल की उत्तमता वाली जाती है। इसे प्रतिशत अधिकता देना महत्वपूर्ण है। अध्ययनों से पता चला है कि दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, कैंसर, या मधुमेह।

मस्तिष्क में जीविक कारक या रासायनिक असंतुलन, शराब या नशीली दवाओं का उत्पयोग, अकेलेपन या अलगाव की भवना होना आदि विशेष रूप से मध्यम स्वास्थ्य के संबंधित अनुभव हैं। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक प्रयास करना चाहिए।

भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैटल हेल्पिंग एंड न्यू-यॉर्केंसे के अँकड़ों के अनुसार, ज्ञान की कमी, म

